आपके बैंक ने पूर्व-परिभाषित सहिष्णुता सीमाओं के साथ आय पर जोखिम (ईएआर) और इक्विटी के बाज़ार मूल्य (एमवीई) पर प्रभाव का आकलन करने के लिए एक उन्नत तरीका अपनाया है, जो उनके साथ जुड़े जोखिमों को निर्धारित करता है और प्रबंधन को शुद्ध ब्याज आय में क्षरण की संभावना वाले परिदृश्य में उचित निवारक कदम उठाने में सक्षम बनाता है।

शाखाओं को स्थिर निधियां प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने और धन की लागत के आधार पर उनकी लाभप्रदता का आकलन करने के लिए, आपके बैंक द्वारा एक समतुल्य परिपक्वता आधारित निधि अंतरण मूल्यन को लागू किया गया था।

आपके बैंक की, आस्ति एवं देयता प्रबंधन समिति (एएलसीओ), तुलन पत्र में आस्ति और देयता प्रबंधन मिश्रण को लगातार संशोधित करके तरलता और ब्याज दर का प्रबंधन करती है। इसके साथ-साथ, एएलसीओ, समय-समय पर ब्याज दरों के परिदृश्यों, देयता उत्पादों के विकास पैटर्न, ऋण वृद्धि, प्रतिस्पर्धी लाभ, तरलता प्रबंधन, विनियामक के निर्देशों के पालन और देयताओं और आस्तियों के मूल्य निर्धारण की समीक्षा करता है।

तुलन पत्र संरचना में अंतर्निहित कठोरता और 1 मई 2019 से प्रभावी आरबीआई की पॉलिसी दरों में त्वरित बदलाव के मुद्दे से निपटने के लिए आपके बैंक ने, बचत बैंक जमाओं (1 लाख रुपये से अधिक शेष वाली) और अल्पावधि ऋण (1 लाख रुपये से अधिक की सीमा वाले नकदी ऋण खाते और ओवरड्राफ्ट) के मूल्य निर्धारण को बाहरी बेंचमार्क यानी पॉलिसी रेपो रेट जोड़ने का बीड़ा उठाया।

1 अक्तूबर 2019 से प्रभावी, बाहरी बेंचमार्क आधारित उधार दर पर आरबीआई के दिशानिर्देशों के बाद, सभी फ्लोटिंग दर वाले खुदरा और एमएसएमई ऋणों का मूल्य निर्धारण बाहरी बेंचमार्क यानी पॉलिसी रेपो रेट से जोड़ दिया गया है। हालांकि, बचत बैंक जमा दरों को रेपो रेट से जोड़ना जारी है।

आस्ति एवं देयता प्रबंधन (देशी स्थिति) के क्षेत्र से संबंधित विनियामक रिपोर्टें/विवरणियाँ अब से ओएफएसएए के माध्यम से स्वचालित हो गए हैं और शीघ्र ही पूरे बैंक की स्थिति स्वचालित होने की उम्मीद है।

8. सदाचार और व्यवसाय आचरण

सदाचार और व्यवसाय आचरण विभाग की स्थापना के बाद से ही आपका बैंक सभी स्तरों पर सदाचार मूल्यों के उत्सर्जन एवं उनके प्रसार तथा उच्च व्यवहार मानदंडों के अनुरूप विभिन्न पहलों एवं कार्यक्रमों का कर्ता-धर्ता बना हुआ है। चाहे हमारे नए विजन, मिशन व मूल्यों के अभिकथन और सदाचार संहिता जैसे आधारभूत मूल मार्गदर्शी सिद्धांतों का निर्माण हो, अथवा परिणाम प्रबंधन, यौन उत्पीड़न निवारण (पॉश) या सोशल मीडिया जैसे विभिन्न क्षेत्रों के वर्तमान परिचालन दिशानिर्देश हों, आपके बैंक की कार्यशैली का मूल दर्शन तत्काल व दूरंदेशी दोनों ही स्थितियों में सजग, सचेत व सामंजस्यपूर्ण रहा है। पुनः, बैंक में सदाचार के एक मजबूत ढाँचे को आकार देने के लिए इसके समर्थन में विभिन्न प्रयास किए गए हैं/किए जा रहे हैं, ताकि हमारी क्षमता को महत्तर नैतिक बल प्रदान किया जा सके। बैंक ने खुद को भविष्य हेतु तैयार करने के लिए हर वर्ष सुचिंतित उपाय-नीति अपनाकर नियमित और निर्बाध रूप से अपने सुसंचालित कार्यक्रमों और परिचालन प्रक्रियाओं में नवीनतम तकनीकी प्लेटफॉर्म को अपनाया है। निश्चय ही इससे बैंक में संचालित और प्रस्तावित सदाचार की विभिन्न वर्धमान पहलों के विस्तार, आकार और पहुँच में भारी असर पड़ा है।

वर्ष 2019-20 में हमारे द्वारा सदाचार और व्यवसाय आचरण की एक व्यापक वेबसाइट विकसित और प्रारंभ की गई है, जिसके अंतर्गत वन स्टाप प्लेटफॉर्म पर सुविचारित सदाचार स्रोतों की विस्तृत सरणी दी गई है, ताकि बड़ी संख्या में कर्मचारीगण इसका लाभ उठा सकें। अनुशासन प्रबंधन कार्य की निपुणता और प्रभावोत्पादकता को बढ़ाने के लिए कुछ नई पहलें शुरू की गई हैं और बैंक की अनुशासन प्रबंधन पारिस्थितिकी की दक्षता को बढ़ाने संबंधी समर्थक प्रयास प्रारंभ किए गए हैं। इस संदर्भ में, बैंक में एक रियल टाइम तथा व्यापक व्यवसाय आचरण एवं अनुशासन प्रबंधन ऑनलाइन प्रोसेसिंग पोर्टल तथा डैशबोर्ड की कल्पना की गई, उसे डिजाइन किया गया और चालू किया गया। ज्ञानवर्धन और मार्गदर्शन के अगले संवर्धन/अनुपूरक प्रयासों के रूप में अनुशासन प्रबंधन फ्रेमवर्क के विशेष कार्यक्षेत्र में कार्य करने वाले सभी अधिकारियों के लिए वर्ष भर नियमित रूप से एक विस्तृत प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया।

यह दोहराना आवश्यक नहीं होगा कि कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न निवारण के मामले में आपका बैंक बिल्कुल भी सहन न करने (जीरो टोलरेंस) वाली नीति का पक्षधर है और वह लिंग के आधार पर भेदभाव रहित कार्य परिवेश प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प है। इसके लिए बैंक ने कार्य-स्थल पर महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न निवारण संबंधी अपनी नीति व प्रक्रिया को 'गरिमा' नाम से अभिहित किया है। इस नीति व प्रक्रिया को कारगर और सरल बनाने के लिए बैंक ने रियल टाइम 'गरिमा' ऑनलाइन शिकायत पोर्टल का भी शुभारंभ किया है, जो इससे संबंधित शिकायतों को दूर करने के साथ ही इस प्रक्रिया से जुड़े लोगों में कौशल निर्माण का कार्य भी करेगा।

आपके बैंक जैसे विशाल आकार और विस्तार वाले संगठन के लिए सदाचार मूल्यों को आत्मसात् करना तथा सदाचारमयी अनुगुंजित संस्कृति का निर्माण करना एक दीर्घ-कालिक प्रक्रिया है। तथापि, अपनी तीन वर्षों की संक्षिप्त यात्रा में ईमानदार इरादों तथा बेहिचक कदमों के चलते इसके सकारात्मक परिणाम दिखने लगे हैं, जो हमारे हर पिछले कदम की सफलता की कहानी बयां करते हैं और सुबह से शाम तक हमारी ब्रांड को सशक्त बनाने में अपना अवदान करते हैं।

9. कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व

एसबीआई की संस्कृति में कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) गहरे रूप से समा गया है। बैंक 1973 से सीएसआर गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। बैंक के सीएसआर दर्शन का प्राथमिक उद्देश्य देश के आर्थिक, शारीरिक और सामाजिक रूप से चुनौती प्राप्त समुदायों के जीवन पर सार्थक और मापने योग्य प्रभाव बनाना है। बैंक की सीएसआर गतिविधियां देश भर में लाखों गरीबों और जरूरतमंदों के जीवन को छूती हैं।

बैंक के सीएसआर गतिविधियों के केंद्र में स्वास्थ्य रक्षा, शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, राष्ट्रीय धरोहरों का पर्यावरण संरक्षण, महिला, युवा तथा वरिष्ठ नागरिकों का सशक्तिकरण इत्यादि शामिल हैं।

प्रोजेक्ट के तौर पर की जानेवाली सीएसआर गतिविधियां एसबीआई फाउंडेशन के तहत की जाती हैं, जो 2015 में स्थापित एसबीआई का सीएसआर पक्ष है, जिसे "सेवा से परे बैंकिंग" की बैंक की परंपरा के माध्यम से भारत में एक प्रमुख सीएसआर संस्थान बनने की दृष्टि से स्थापित किया गया था। अपने अस्तित्व के पिछले चार वर्षों के दौरान,